

एचजेयू संवाद
वर्ष :1 • अंक : 2 • जनवरी - मार्च 2026
हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय
द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

दीक्षांत समारोह केवल शैक्षणिक उपलब्धि का उत्सव नहीं, जीवन में नए आरंभ का प्रतीक: राज्यपाल हरिभाऊ बागडे

एचजेयू के तृतीय दीक्षांत समारोह का अयोजन विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी और उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा रहे उपस्थित

जयपुर, 25 मार्च 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के सभागार में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता राजस्थान के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे ने की। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी मुख्य अतिथि तथा उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। समारोह में वर्ष 2024 एवं 2025 में अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले कुल 271 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। इनमें 269 स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी और दो शोधार्थी शामिल रहे।





शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए 12 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक तथा 35 विद्यार्थियों को वरीयता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्राप्त ज्ञान का उपयोग समाज के कल्याण के लिए करने और सत्य, धर्म एवं विनम्रता के मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने राजस्थान की पत्रकारिता परंपरा का उल्लेख करते हुए सत्य और जनजागरूकता के महत्व पर भी जोर दिया।मुख्य अतिथि श्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, बल्कि एक मिशन है। उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं और भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर भी प्रकाश डाला।विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए पत्रकारिता को समाज का दर्पण और जनचेतना का सशक्त माध्यम बताया। समारोह में सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

संपादक की कलम से...



डॉ. रतन सिंह शेखावत
प्रधान संपादक, एचजेयू संवाद

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के न्यूज़ लेटर एचजेयू संवाद का नया अंक आप सभी के सामने प्रस्तुत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय होने के नाते यह हमारे लिए और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है कि हमारी अकादमिक गतिविधियां सभी शुभचिंतकों तक पहुंचें। उच्च शिक्षा को समर्पित किसी भी संस्थान के लिए उसका न्यूज़ लेटर दर्पण की तरह कार्य करता है। विश्वविद्यालय में होने वाली अकादमिक गतिविधियों और विभिन्न आयोजनों की एक झलक इसके माध्यम से विश्वविद्यालय के अंदर और बाहर उपस्थित सभी शुभचिंतकों तक पहुंचाना ही हमारा प्रयास है। आदरणीय कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय की प्रेरणा और संरक्षण से प्रारंभ हुआ एचजेयू न्यूज़ लेटर विश्वविद्यालय का संवाद बनने की ओर अग्रसर है।

एचजेयू संवाद विश्वविद्यालय में होने वाले आयोजनों के दस्तावेजीकरण का माध्यम भी बनेगा। पूर्व में होने वाली घटनाओं को जब हम आने वाले समय में देखते हैं तो उन बेहतरीन पलों का स्मरण कर हम उस समय में लौट जाते हैं। इससे यह भी मालूम होगा कि तत्समय कितने सार्थक और शानदार आयोजन विश्वविद्यालय में किए गए। एचजेयू संवाद का यह अंक आप सभी को माह जनवरी-मार्च 2026 के दौरान विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियों से अवगत करवाएगा। इस दौरान मीडिया जगत के कई प्रमुख लोगों के व्याख्यान विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए आयोजित करवाए गए। इनमें विद्यार्थियों को सीखने का अवसर तो मिला ही, साथ ही जानेमाने पत्रकारों और जनसंचार विशेषज्ञों की उपस्थिति भी दर्ज हुई। भाषा, समाज शास्त्र, पत्रकारिता और जनसंपर्क जैसे विषयों के विद्वानों की परिसर में उपस्थिति शब्दों और चित्रों के रूप में एचजेयू संवाद के जरिए हमेशा के लिए एक दस्तावेज बन गई है। इस दौरान शोधार्थियों के लिए कार्यशाला, शिक्षकों के लिए एफडीपी और समस्त विद्यार्थियों के लिए सेमिनार का आयोजन शानदार रहे। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय और विद्वान शिक्षक साथियों की अकादमिक उपलब्धियों और यात्राओं को भी इसमें जगह दी गई है।

एचजेयू संवाद में प्रकाशन योग्य समाचारों के संकलन में सहयोग के लिए न्यू मीडिया विभाग की कार्यकारी अध्यक्ष और पत्रिका की सह-संपादक डॉ. शालिनी जोशी का आभार व्यक्त करता हूं। मुद्रण कार्य में अपना निरंतर सहयोग बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय के उप-कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा को धन्यवाद देना भी आवश्यक है। उम्मीद है इस अंक में प्रकाशित सामग्री आपको पसंद आएगी भविष्य में इसे और बेहतर और उपयोगी बनाने में आपके सुझावों का हमेशा स्वागत है।

सादर

संपादक मंडल

संरक्षक
प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय, कुलगुरु

प्रधान संपादक
डॉ. रतन सिंह शेखावत

सह संपादक
डॉ. शालिनी जोशी

एचजेयू में मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, जयपुर। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पांडेय ने झण्डा रोहण किया। राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान की प्रस्तुति की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जब 1950 में हमारा संविधान लागू हुआ था तब से लेकर आज तक हमने चौतरफा विकास किया है।

आज हमारे देश की औसत आयु 70 वर्ष से ऊपर की है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, परिवहन और संरचनागत विकास में हम एक नई मिसाल प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी हमारी अर्थव्यवस्था विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जल्द ही यह प्रथम तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगी।

कुलगुरु प्रो. पांडेय ने कहा कि राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता और ड्राफ्टिंग समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को हमें हमेशा याद रखना चाहिए। संविधान सभा ने समता और लोकतंत्र के जो पैमाने निर्धारित किए, उस दिशा में हमारा देश आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के बारे में बोलते हुए कहा



कि पिछले जून में ही हम अपने स्थायी परिसर में स्थानांतरित हुए है, तब से इस विश्वविद्यालय परिसर को सुंदर बनाने की कोशिश की जा रही है। हमारी कोशिश रहेगी कि यहाँ के विद्यार्थी जब शिक्षा दीक्षा लेकर मीडिया उद्योग में काम करेंगे तो उनकी एक नई पहचान बनेगी। उन्होंने गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी को बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा कि हमें पत्रकारिता और जनसंचार क्षेत्र में पढ़ाई और कौशल विकास का एक नया कीर्तिमान स्थापित करना है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे।



77 वां गणतंत्र दिवस

विवेकानंद के आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प ले युवा

डॉ. रतन सिंह शेखावत राजकीय महाविद्यालय बगरू में युवाओं को किया संबोधित

जयपुर, 12 जनवरी। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय बगरू में युवा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उद्घाटन कार्यक्रम में हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के समन्वयक, अकादमिक एवं प्रशासनिक डॉ. रतन सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. शिवदत्त कविया ने की।इस अवसर पर डॉ. शेखावत ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज के प्रतिस्पर्धी युग में और भी प्रासंगिक हो गए हैं और युवाओं को उनके विचारों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं में ऊर्जा, प्रतिभा और नए विचारों की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल सही दिशा, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने की है।डॉ. शेखावत ने वेदांत के विचार और आध्यात्म पर स्वामी विवेकानंद की विश्व को देन पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने युवाओं से स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समस्त विद्यार्थी तथा महाविद्यालय के सभी शिक्षक और अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। युवा सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद के विचारों, उनके जीवन-दर्शन तथा राष्ट्र के प्रति उनके योगदान से परिचित कराया जाएगा।

एचजेयू के विद्यार्थियों ने करीब से देखा सेना का शौर्य

78वीं सेना दिवस परेड का आयोजन इस बार रहा जयपुर में

जयपुर,13 जनवरी। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भारतीय सेना की 78वें सेना दिवस परेड का अवलोकन किया। इस शैक्षणिक कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय सेना के शौर्य, अनुशासन, देशभक्ति तथा अत्याधुनिक सैन्य शक्ति से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था।

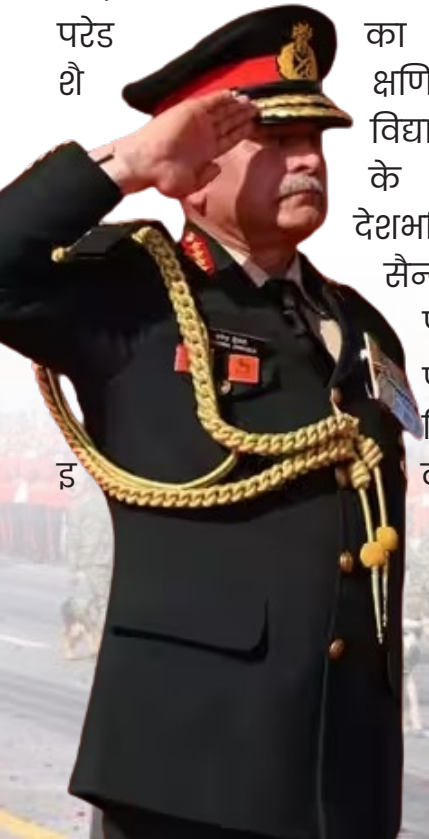

परेड अवलोकन हेतु विद्यार्थियों ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार सिंह और अकादमिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत के नेतृत्त्व में अनुशासित रूप से एक साथ प्रवेश किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा समयपालन एवं अनुशासन का पूर्णतः पालन किया गया।

78वें सेना दिवस के अवसर पर आयोजित इस परेड में भारतीय सेना के विभिन्न दस्तों द्वारा अनुशासित मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया गया। सैनिकों की सटीक कदमताल, एकरूपता और उच्च अनुशासन ने भारतीय सेना की संगठनात्मक क्षमता, कार्यकुशलता एवं दृढ़ता को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, कर्तव्यबोध एवं देशसेवा की भावना को प्रोत्साहन मिला। शैक्षणिक दृष्टि से यह भ्रमण अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक रहा।

कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड, नेशनल मीडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली ने किया सम्मानित

पत्रकारिता शिक्षण में श्रेष्ठ योगदान के लिए विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत को भी मिला सम्मान



जयपुर, 29 जनवरी। नेशनल मीडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली की ओर से 54वें राष्ट्रीय सेमिनार एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन 29 जनवरी 2026 को आर.आई.सी., जयपुर (राजस्थान) में किया गया। यह सेमिनार राष्ट्रीय स्तर का रहा, जिसमें देश के 16 राज्यों से पधारे वरिष्ठ पत्रकारों, मीडिया विशेषज्ञों, सामाजिक चिंतकों एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों सहित लगभग 200 प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

सेमिनार का विषय "राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहरों के विकास में मीडिया की भूमिका एवं समकालीन चुनौतियों के संदर्भ में सार्थक विकास" रहा। विषय पर वक्ताओं ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, प्रचार-प्रसार एवं सतत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, वहीं बदलते समय की चुनौतियों का सामना करना भी मीडिया के लिए आवश्यक है।

इस अवसर पर हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के दौरान महामहिम राज्यपाल श्री हरिभाऊ भागाड़े ने कुलगुरु प्रो. पांडेय को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए "लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड" से सम्मानित किया। वहीं, पत्रकारिता शिक्षण में श्रेष्ठ योगदान के लिए विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत को भी सम्मानित किया गया। डॉ. शेखावत को विधानसभा अध्यक्षश्री वासुदेव देवनानी ने सम्मानित किया।

सेमिनार में हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और विशेषज्ञों से प्रत्यक्ष संवाद कर अपने ज्ञान में वृद्धि की। विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम और अधिक जीवंत हो उठा।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर सेमिनार में सहभागिता करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र (Certificate) प्रदान किए गए।





एचजेयू में वीर बाल दिवस पर स्लोगन लेखन एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित

07 जनवरी, 2026। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत वीर बाल दिवस (26 दिसंबर) के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों में देशभक्ति, साहस एवं बलिदान की भावना जागृत करने हेतु स्लोगन लेखन एवं निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय "साहस और बलिदान का प्रतीक: वीर बाल दिवस" निर्धारित किया गया था।

इस प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों ने वीर बालकों के अद्वितीय साहस, धर्म और राष्ट्र के लिए दिए गए बलिदान पर प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए। वहीं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सीमित शब्दों में देशभक्ति से ओत-प्रोत भावनाओं को रचनात्मक ढंग से अभिव्यक्त किया।

प्रतियोगिता के लिए निर्धारित नियमों के अनुसार निबंध 700 से 1000 शब्दों की सीमा में, हस्तलिखित रूप में प्रस्तुत किए गए। स्लोगन लेखन ड्रॉइंग शीट पर अधिकतम 12 शब्दों में किया गया। सभी प्रविष्टियों का मूल्यांकन विषय-वस्तु, भाषा, मौलिकता एवं प्रस्तुति के आधार पर किया गया।

प्रतियोगिता के उपरांत श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाने की घोषणा की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना का विकास करना तथा वीर बालकों के बलिदान से प्रेरणा लेना रहा, जिसमें यह आयोजन पूर्णतः सफल सिद्ध हुआ।

इस अवसर पर हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

"जलवायु परिवर्तन और मीडिया" विषय पर परिचर्चा

जयपुर। अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर में "जलवायु परिवर्तन और मीडिया" विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन जैसे समकालीन एवं वैश्विक विषय पर मीडिया की भूमिका, जिम्मेदारियों एवं चुनौतियों पर सार्थक विमर्श करना था।

इस परिचर्चा में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। गणेश प्रजापत, राकेश बिश्नोई, दीक्षित शर्मा एवं राहुल शर्मा ने बतौर परिचर्चाकार भाग लिया, जबकि कार्यक्रम का संचालन हर्ष बाबू दीक्षित ने किया। वक्ताओं ने जलवायु परिवर्तन से जुड़े विभिन्न दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हुए विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच बढ़ते टकराव पर प्रकाश डाला।

परिचर्चा में यह भी उल्लेख किया गया कि कॉर्पोरेट मीडिया संस्थान प्रायः पर्यावरण से संबंधित मुद्दों को अपेक्षित महत्व नहीं देते, क्योंकि ऐसे विषयों से टीआरपी में वृद्धि नहीं होती। वक्ताओं ने सोशल मीडिया को पर्यावरणीय मुद्दों की पैरवी का एक प्रभावी माध्यम बताया।

चर्चा के दौरान खेजड़ी संरक्षण से जुड़ा विषय भी उठाया गया, जिसे मुख्यधारा के मीडिया द्वारा पर्याप्त कवरेज न मिलने का उल्लेख किया गया। वक्ताओं ने इस पर चिंता व्यक्त करते हुए मीडिया की पर्यावरणीय संवेदनशीलता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के अंत में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि जलवायु परिवर्तन जैसे जटिल विषयों पर जनजागरूकता बढ़ाने के लिए ऑडियो-विजुअल माध्यमों का अधिक उपयोग किया जाना चाहिए, ताकि संदेश को प्रभावी ढंग से आम जनता तक पहुँचाया जा सके।

कैंसर पर विशेष व्याख्यान में विख्यात चिकित्सक डॉ. अरूण चौगुले ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

जयपुर, 28 जनवरी, 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में कैंसर रोग के निदान और रोकथाम पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंस के पूर्व उपकुलपति डॉ. अरुण चौगुले ने मुख्य वक्ता के बतौर संबोधित करते हुए कहा कि अधिकतर रोगों की तरह कैंसर भी एक जीवन शैली का रोग है। यह हमारी खान पान की आदतों और निरंतर बदल रही जीवन शैली के कारण आज गंभीर रूप धारण कर चुका है। उन्होंने बताया कि कैंसर उतना ही पुराना रोग है जितनी कि मानव सभ्यता। लेकिन पिछले एक सदी में इस रोग की प्रसार संख्या में बेतहाशा बढ़ोत्तरी हुई है। एक आँकड़े के अनुसार पिछले 100 सालों में कैंसर में लगभग डेढ़ सौ फीसदी दर से बढ़ा है। अमेरिका और यूरोप में यह सर्वाधिक मारक बीमारी बन चुकी है।

डॉ. अरुण चौगुले ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बेहतर और स्वास्थ्यवर्धक जीवन शैली अपनाने से हम अपनी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकते हैं, जिससे कई रोगों की रोकथाम के जा सकती है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान





संस्थान, नई दिल्ली के एक अध्ययन का हवाला देते हुए डॉ. चौगुले ने बताया कि 1980 में 10 फेफड़े का कैंसर 9 ऐसे लोगों को होता था जो धूम्रपान करते थे और इसमें एक महिला होती थी, लेकिन 2022 में 10 में से 08 फेफड़ा कैंसर के मरीज ऐसे लोग हैं जो धूम्रपान नहीं करते हैं और उनमें से 4 महिलायें भी हैं। इससे स्पष्ट होता है कि प्रदूषण, खेती में रासायनिक खादों का प्रयोग और विकिरण जैसे कारक अब कैंसर में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने तंबाकू, धूम्रपान और गुटखे के प्रयोग के खतरनाक पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया।

व्याख्यान की शुरुआत में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पांडेय ने डॉ. अरुण चौगुले का स्वागत करते हुए कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में डॉ. चौगुले एक प्रतिष्ठित हस्ती है। देश-विदेश में उनके काम की प्रशंसा की जाती है। पत्रकारिता और जनसंचार के विद्यार्थियों के बीच एक जरूरी विषय पर चर्चा से समाज में जागरूकता का प्रसार किया जा सकेगा। कार्यक्रम का संचालन अकादमिक और प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत ने किया। वित्त नियंत्रक और प्रभारी कुलसचिव श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्त्रियों के लिए खादी एक कपड़ा नहीं, जीवन जीने का तरीका था: प्रो. संगीता शर्मा

07 फरवरी, जयपुर। आजादी के आंदोलन के दौर में खादी सिर्फ एक कपड़ा नहीं बल्कि स्त्रियों के लिए यह जीवन जीने का एक तरीका था। यह उनके लिए रोजमर्रा का एक कठोर संघर्ष था। पुरुषों के लिए खादी पहनने का अनुभव अलग था जबकि महिलाओं के लिए यह एक पीड़ा भरा अनुभव होता था। खादी पहनने का राजनीतिक आयाम स्त्री और पुरुष दोनों के लिए लगभग समान था लेकिन सामाजिक तौर पर स्त्रियों के लिए यह ज्यादा कठोर और संघर्षशील अनुभव था। उपरोक्त बातें राजस्थान विश्वविद्यालय की इतिहास विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. संगीता शर्मा ने कहीं। वे हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला में मुख्य वक्ता के बतौर विद्यार्थियों को संबोधित कर रही थीं।



व्याख्यान का विषय "आजादी के लिए महिलाओं का संघर्ष: राजपूताना रियासत के स्वर" था। इस अवसर पर प्रो. संगीत शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान गांधी जी राजपूताना रियासत कभी नहीं आए, लेकिन गाँधीवादी उसूलों से प्रेरित कई रचनात्मक कार्यक्रम उस समय के राजपूताना रियासत में चल रहे थे। महिला शिक्षा, खादी, स्वदेशी आंदोलन, किसान आंदोलन जैसे कई सामाजिक राजनीतिक आंदोलन यहाँ सक्रिय थे। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन के खिलाफ राजस्थान की स्त्रियाँ अगर झण्डा बुलंद कर रही थीं तो यह एक साहसिक कार्यवाही थी।

क्यूंकि दूसरे प्रांतों की तुलना में राजपूताना रियासत में स्त्रियों की स्थितियाँ ज्यादा कठोर हुआ करती थी। उन्होंने आगे बताया कि ब्रिटिश भारत में अधिकतर रियासतों में तीन स्तर की सत्ता प्रणालियाँ काम कर रही थीं। एक जागीरदारी, दूसरा देसी नरेश और तीसरा ब्रिटिश शासन। देसी रियासतों के अधीन आने वाले इलाकों में समाज सुधार के आंदोलन नहीं हो पाए थे। इसलिए भी महिलाओं की सामाजिक स्थिति यहाँ ज्यादा खराब थी। कार्यक्रम का संचालन जनसंचार संकाय की अध्यक्ष डॉ. ऋचा यादव ने किया। उन्होंने मुख्य वक्ता प्रो. संगीता शर्मा का स्वागत करते हुए बताया कि इतिहास में महिलाओं के योगदान का रेखांकन अक्सर कम देखने को मिलता है। प्रो. संगीत शर्मा ने इतिहास में स्त्रियों की भूमिका पर गहन शोध कार्य किया है और उन्होंने राजपूताना रियासत में आधी आबादी के योगदान के अध्ययन का श्रमशील कार्य किया है।

धन्यवाद ज्ञापन अकादमिक और प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत ने किया। उन्होंने कहा कि प्रो. संगीत शर्मा ने स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की ऐतिहासिक भागीदारी की जो पड़ताल की है, वह निश्चय ही पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए इतिहास को एक नए दृष्टि से देखने में मदद करेगा। कार्यक्रम के अंत में प्रो. संगीत शर्मा ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक मौजूद रहे।



एआई के दौर में कंटेंट ही शाश्वत: प्रो. राकेश उपाध्याय

जयपुर, 28 फरवरी 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय द्वारा राजस्थान उच्च एवं तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार योजना के अंतर्गत " समकालीन मीडिया रुझान : अवसर और चुनौतियाँ" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने की। सेमिनार को दो अकादमिक सत्रों में विभाजित किया गया, जिनमें प्रिंट, डिजिटल और अकादमिक क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने सहभागिता कर समकालीन मीडिया परिदृश्य के विभिन्न आयामों पर अपने विचार व्यक्त किए।



कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान और सरास्वती वंदना के के साथ हुआ। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने कहा कि एक पत्रकार के लिए केवल तथ्य प्रस्तुत करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे तथ्यों की सत्यता की परख के साथ-साथ उनके सामाजिक, राजनीतिक और मानवीय प्रभाव का सम्यक मूल्यांकन करना भी आना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार पत्रकारिता वही है, जो सूचना के प्रभाव को समझते हुए समाज के प्रति अपनी उत्तरदायित्वपूर्ण भूमिका निभाए।

सेमिनार के प्रथम सत्र में दैनिक भास्कर डिजिटल के स्टेट एडिटर किरण राजपुरोहित मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी), नई दिल्ली के भाषा पत्रकारिता विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश उपाध्याय ने सहभागिता की।

मुख्य अतिथि किरण राजपुरोहित ने अपने संबोधन में कहा कि तकनीक तरीका बदल सकती है, पत्रकारिता नहीं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मशीन मानवीय चेतना का स्थान नहीं ले सकती।

विशिष्ट अतिथि प्रो. राकेश उपाध्याय ने कहा कि अखबार ने टाइपोग्राफी से कीबोर्ड तक का लंबा सफर तय किया है और आज का दौर एआई का है, फिर भी कंटेंट ही शाश्वत है। उन्होंने कहा कि पत्रकार सदैव तथ्य, कथ्य और सत्य के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं। डिजिटल युग में पत्रकार तभी सफल होगा जब वह पर्सनलाइज्ड और लोकलाइज्ड कंटेंट तैयार कर पाठकों से सीधा जुड़ाव स्थापित करेगा।

राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह

जयपुर, 12 जनवरी, 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर में राष्ट्रीय युवा दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। युवाओं के आदर्श स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में युवा चेतना का विकास करना तथा राष्ट्रनिर्माण, आत्मविश्वास एवं नैतिक मूल्यों के प्रति उन्हें प्रेरित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद के जीवन, दर्शन एवं युवाओं के प्रति उनके विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं से आत्मनिर्भर, चरित्रवान तथा राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित बनने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद के प्रेरणादायी विचारों पर आधारित भाषण प्रस्तुत किए। साथ ही युवा शक्ति की भूमिका, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं समकालीन चुनौतियों जैसे विषयों पर भी सार्थक चर्चा की गई। पूरे आयोजन के दौरान परिसर में उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण बना रहा।

एचजेयू में शोध पर 5 दिवसीय कार्यशाला

एआई और प्रकाशन नैतिकता पर दिया विद्वानों ने जोर

जयपुर, 9 मार्च 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर में "शोध पद्धति एवं अकादमिक लेखन" पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 'राजस्थान उच्च तकनीकी गुणवत्ता संवर्धन योजना-' के अंतर्गत आयोजित की गई। उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा के कुलगुरु प्रो. बी. एल. वर्मा ने इस अवसर पर मीडिया द्वारा जनमत निर्माण की प्रक्रिया पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान समय में मीडिया व्यापक पैमाने पर मानवीय व्यवहार को प्रभावित करता है। मीडिया में शोध की उपयोगिता के बारे में उन्होंने कहा कि शोधार्थियों को ऐसी शोध पद्धति अपनानी होगी जो समाज को नई दिशा प्रदान करे। प्रो. वर्मा ने फेक न्यूज जैसी चुनौतियों की चर्चा करते हुए शोध को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की मांग की।

दूसरे एयर तीसरे सत्र में राजस्थान विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के सेवानिवृत्त प्रो. राजीव गुप्ता ने सामाजिक शोध और मीडिया शोध के अंतरसंबंधों की चर्चा की। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के जरिए यह बताया कि शोध का वास्तविक उद्देश्य सामाजिक वैज्ञानिक पहलुओं के आधार पर वस्तुगत विश्लेषण करना है। प्रो. गुप्ता ने कहा कि शोधार्थियों को सबसे पहले ये पूछना चाहिए कि हम समाज और इसके विज्ञान के कितने पास है और कितने दूर। हमें मीडिया क्षेत्र के ऐसे शोध चाहिए जो सामाजिक विकास में योगदान दे सके। एक सत्र में डॉ. मनोज कुमार लोढ़ा ने मीडिया की शोध डिज़ाइन पर चर्चा की।

प्रो. उमेश आर्य ने एक सत्र में शोध में AI उपकरणों का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया। एक सत्र में राजस्थान विश्वविद्यालय में भौतिकी के प्रोफ़ेसर ऋषि सिंघल ने शोध में लेखन और प्रकाशन एथिक्स पर विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि शोध की आत्मा उसकी नैतिकता में निहित है। AI के युग में जब लेखन सुलभ हो गया है, तब प्रकाशन नैतिकता और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है। उन्होंने सहलेखकत्व के नियमों, पत्रिका चयन में सावधानी, ओपन एक्सेस प्रकाशन की भूमिका और फ़र्ज़ी पत्रिकाओं से बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने शोधार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी शोध यात्रा में ईमानदारी और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

कार्यशाला के समापन सत्र में प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि मुझे विश्वास है कि इस शोध कार्यशाला ने सामाजिक विज्ञान और मीडिया शोध के क्षेत्र में एक नई दिशा प्रदान की है। प्रो. त्रिवेदी ने इस बात पर विशेष बल दिया कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ शोध की गुणवत्ता को ऊँचा उठाने में अमूल्य योगदान देती हैं।

समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्दकिशोर पांडेय ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय का उद्देश्य मीडिया क्षेत्र में उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करना है। यह कार्यशाला इसी कड़ी में एक अहम प्रयास है।

09 मार्च से 13 मार्च 2026 तक आयोजित इस पाँच दिवसीय राष्ट्रीय शोध कार्यशाला में सामाजिक विज्ञान शोध के सिद्धांत, शोध डिज़ाइन, मीडिया शोध, आंकड़ा संग्रहण एवं विश्लेषण, अकादमिक लेखन, प्रकाशन नैतिकता और एआई जैसे विषयों पर देश के विख्यात विद्वानों ने अपना मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला ने शोधार्थियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान, बल्कि व्यावहारिक कौशल से भी सुसज्जित किया। समापन सत्र में सभी पाँच दिनों की रिपोर्ट कार्यशाला के संयोजक डॉ. अनिल कुमार मिश्र ने प्रस्तुत किया। द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला की सह संयोजक डॉ. रिचा यादव ने किया।



भारतीय संस्कृति मानवता को बढ़ाने वाली: डॉ गोपाल शर्मा

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

जयपुर, 16 मार्च। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में सोमवार को "लोक कला और जनसंचार" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का अयोजन हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ गोपाल शर्मा रहे, जबकि मुख्य वक्ता लोककला मर्मज्ञ डॉ राजेश कुमार व्यास रहे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय ने की और कार्यक्रम संचालन अकादमिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत ने किया. इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठि के संयोजक डॉ मनोज लोढ़ा थे.

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ राजेश कुमार व्यास ने कहा कि लोक संस्कृति के माध्यम से अभावों में भावों को संजोया गया है और लोक के आलोक को हर जगह पूजा जाता है।

मुख्य अतिथि डॉ गोपाल शर्मा ने कहा कि लोक का सीधा अर्थ लोगों से है आज लोक संस्कृति लोकतंत्र तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति मानवता को आगे बढ़ाने वाली है।

कुलगुरू प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय ने लोक संस्कृति के महत्व को बताते हुए कहा कि लोक को स्वीकारते समय शास्त्र का बंधन नहीं होता और लोकगीत जनभावनाओं की अभिव्यक्ति होते हैं।

कार्यक्रम में बनस्थली विद्यापीठ के डॉ महेश मिश्रा, वरिष्ठ रंगकर्मी पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के विलास जानवे, राजस्थान विश्वविद्यालय की प्रो. वंदना कल्ला और मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. कुंजन आचार्य ने अपने विचार रखे, साथ ही विभिन्न छात्रों और शोधार्थियों ने पत्र वाचन किया। अंतिम सत्र में डॉ. राजेंद्र प्रसाद और डॉ. शुचि चौहान ने अपने विचार रखे. समापन सत्र में मुख्य अतिथि पंडित दीन दयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर के कुलगुरू प्रो. अनिल राय रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार और मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार हीरेन



जोशी रहे. कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरू प्रो. नंद किशोर पांडेय ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी जोशी ने किया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि पंडित दीन दयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय,सीकर के कुलगुरू प्रो. अनिल राय ने पत्रकारिता के क्षेत्र में कौशल विकास पर बात की जिससे छात्रों को सम्मानजनक रोजगार मिल सके. विशिष्ट अतिथि श्री हीरेन जोशी ने कहा कि विद्यार्थियों को औपचारिक ज्ञान के साथ आध्यात्मिक अनुभूतियों का ज्ञान भी जरूरी है। हरिदेव जोशी विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. नंद किशोर पांडेय ने कहा कि लोक के माध्यम से तत्व ज्ञान जनता तक पहुंचा। लोक कला पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक तत्व के बिना जीवन नीरस है।

संगोष्ठी का प्रतिवेदन कार्यक्रम के संयोजक डॉ मनोज लोढ़ा ने प्रस्तुत किया।

इससे पूर्व के सत्र में डॉ गिरीश उपाध्याय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के जनसंचार विभागाध्यक्ष प्रो ज्ञान प्रकाश मिश्रा, माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, भोपाल के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ लाल बहादुर ओझा, जयपुर तमाशा के कलाकार डॉ विशाल भट्ट,वरिष्ठ विद्वान डॉ रविंद्र भारती ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. रतन सिंह शेखावत ने सभी का आभार प्रकट किया।

दीक्षांत समारोह की झलकियां...









